



## दी सलाह : बाँडी में छोटे-छोटे बदलाव को न करें नजर अंदाज

दो दिवसीय नेफ्रोकोन कांफ्रेंस का हुआ समापन

[bareilly@inext.co.in](mailto:bareilly@inext.co.in)

**BAREILLY (12 March):** एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में संडे को दो दिवसीय पहली नेफ्रोकोन कांफ्रेंस का समापन हुआ. कांफ्रेंस में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के आठ पीजी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. सभी ने माना कि डायबिटीज जैसी बीमारियों में तो किडनी की देखभाल के लिए समुचित जांच आवश्यक है. साथ में शरीर में सूजन, पेशाब की मात्रा का अचानक कम होना, जैसे शरीर में होने वाले छोटे-छोटे बदलाव को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए.

### विजेता किए गए पुरस्कृत

यह लक्षण किडनी की दिक्कतों के हो सकते हैं. ऐसा होने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें और जांच



● विजेताओं को किया गया पुरस्कृत.

कराएं. कांफ्रेंस के समापन पर पेपर प्रेजेंटेशन और पोस्टर प्रेजेंटेशन के विजेता पीजी स्टूडेंट को भी पुरस्कृत किया गया. पोस्टर प्रेजेंटेशन में पहला स्थान संयुक्त रूप से एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज की डॉ. सृष्टि वाधवा और डॉ. श्रद्धा श्रीवास्तव ने हासिल किया, दूसरा स्थान भी एसआरएमएस की डॉ. निहारिता जसूजा को मिला. तीसरे स्थान पर रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज के डॉ. रजत अग्रवाल रहे. पेपर प्रेजेंटेशन में डॉ. अनुभव और जसलीन

को पहला और दूसरा स्थान प्राप्त हुआ.

### ये लोग रहे उपस्थित

कार्यक्रम में आर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. स्मिता गुप्ता, डॉ. संजय कुमार, आर्गनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. विद्यानंद, डॉ. ललित सिंह, डॉ. रोहित टंडन, डॉ. दीपक दास, डॉ. सुदीप सरन, डॉ. सीमा सेठ, डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. संजय वाजपेयी, डॉ. मनीष महाजन, डॉ. विपुल कुमार, डॉ. एसजेड खान आदि उपस्थित रहे.